10. वासुकी का प्रश्न
Vaasuki kaa Prashna

बच्चो! आज हम तिरुवल्लुवर और उनकी पत्नी के बारे में पढ़ेंगे।

तिरुवल्लुवर विश्व-विख्यात तमिल भाषी कवि तथा दार्शनिक थे।

उनकी पत्नी का नाम था-वासुकी। आओ, उनके जीवन से जुड़ी एक घटना के बारे में पढ़ें।

एक समय की बात है, जब वासुकी के मन में कुछ प्रश्न उठने लगे जिनके उत्तर वे अपने पति से चाहती थीं।

एक दिन उन्होंने तिरुवल्लुवर से वह प्रश्न पूछ ही लिया– ''मेरे मन में एक प्रश्न है, जिसका उत्तर मैं जानना चाहती हूँ।''

''बोलो, तुम्हारे मन में कौन-सा प्रश्न है?'' तिरुवल्लुवर ने पूछा।

वासुकी ने पूछा–''जब भी मैं आपको भोजन परोसती थी, तब आप मुझसे एक नुकीला तीला और पानी की छोटी कटोरी रखवाते थे परंतु आपने कभी उनका उपयोग नहीं किया। क्या आप मुझे बता सकते हैं कि वे दोनों चीज़ें आप क्यों रखवाते थे?''

तिरुवल्लुवर ने पत्नी के प्रश्न को सुनकर कहा–''प्रिये! मैं वे दोनों चीज़ें इसलिए रखवाता था कि यदि कोई चावल का दाना परोसते वक्त बाहर गिर जाए तो मैं उसे उस नुकीले तीले से उठाकर पानी में धोकर खा सकूँ। लेकिन तुमने अपना काम हमेशा इतनी बखूबी किया कि मुझे ऐसा करने का कभी मौका ही नहीं दिया।''

बच्चो! सबके जीवन में कोई एक ऐसा व्यक्ति होता है, जो चुपचाप हमें प्रोत्साहित करता है। हमें उनका मूल्य समझना चाहिए।

SUMMARY

This chapter is about an incident from the life of the great Tamil poet and philosopher Thiruvalluvar and his wife, Vaasuki. The incident described in the lesson emphasises the importance of dedication, focus and the responsibility with which one should accomplish the work assigned for a successful relationship.